

[श्री हुकम चन्द कछवाय]

कठिनाई होती है इस का अनुभव मैं ही कर सकता हूँ। लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूँ—देहातों के अन्दर आप छोटी छोटी समितियाँ बनाइये ताकि उनके माध्यम से इस उद्योग में लगे हुए श्रमिकों को विशेष लाभ मिल सके। मैंने सुना है कि सरकार कुछ बड़ी बड़ी मिलें बनाने की योजना बना रही है, जिससे कि रेशम का कपड़ा उन बड़ी बड़ी मिलों में बने। इसका नतीजा क्या होगा—छोटे लोग, जो हाथ-ऊर्ध्वा वाले लोग हैं, हाथ से कमाने वाले लोग हैं, उनका रोजगार बहुत बड़ी मात्रा में छिन जायगा। शायद मंत्री महोदय इस बात को जानते हैं कि आज सारे देश के अन्दर जो रेशम का कपड़ा बनाने वाले लोग हैं, उनकी किस प्रकार से दुर्दशा हो रही है, उनकी कितनी दयनीय हालत है। ये जो बड़े बड़े कपड़ा मील वाले लोग हैं—ये बुनकरों को बड़ी तादाद में रुपया व्याज पर देते हैं। उस रुपये पर काफी व्याज तो उनसे लेते ही हैं, उस के साथ साथ वे उनसे करार कर लेते हैं कि तुम जितना कपड़ा बनाओगे, वह सब हमको मिलना चाहिये, दूसरे के हाथ नहीं बेच सकोगे। वे जीवन भर उस कर्जे के गुलाम होते हैं और गुलामी के तौर पर जो भी कपड़ा बनाकर देते हैं, उसका उनको कोई प्रोत्साहन नहीं मिलता है।

अधिक से अधिक लोग इस धन्धे को अपने घर में करें, रेशम से सूत बनायें, रेशम पैदा करें, रेशम के सूत से कपड़ा बनायें—उसके लिए हमें गांधी जी के इन शब्दों को याद करना होगा—बड़े बड़े कल-कारखानों के मुकाबले इनका महत्व इसलिये है कि इनसे हम अधिक से अधिक लोगों को काम दे सकेंगे, अधिक से अधिक लोगों को काम मिले, अधिक हाथों को काम मिले—ऐसी योजना हमारी होनी चाहिये। लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि सरकार इस ओर कोई

ध्यान नहीं दे रही है।

सभापति महोदय, इस उद्योग ने संसार में बहुत ख्याति पाई है, दुनिया के देशों में हमारे देश का रेशम बहुत ऊँचा दर्जा रखता है, परन्तु आज उसमें गिरावट आती जा रही है। यह गिरावट क्यों आई है? इसका मूल कारण क्या है? इसका कारण यही है कि लोगों को प्रोत्साहन नहीं है, उनको कोई सहायता नहीं मिलती है, उनको कोई इनकम नहीं है, जिस ढंग से उनको पैसा मिलना चाहिए, जैसा उनका गुजारा होना चाहिए वह नहीं है, उन का पेट नहीं भरता है, उनको रोटी नहीं मिलती है। यही इसका मूल कारण है। इसलिए जब सरकार बोर्ड बनाये तो इस पर अधिक से अधिक ध्यान दे कि किस प्रकार से बुनकरों को सहायता दी जा सकती है। आज सुबह मैंने सवाल किया था जिसके उत्तर में मंत्री महोदय ने स्वीकार किया कि यह बात सही है कि आज लोगों को जिस ढंग से पैसा मिलना चाहिए, उनकी मेहनत का जितना पैसा उनको प्राप्त होना चाहिए वह नहीं होता है। उसी के कारण आज सारे देश में निराशा का वातावरण छाया हुआ है उन बुनकरों में। इसके अलावा एक्साइज ड्यूटी भी अधिक मात्रा में लगाई गई है। जहाँ तक किस्म की बात है, मेरा कहना है कि आज देश में जो इस प्रकार के बड़े बड़े उद्योग चल रहे हैं उन पर सीमायें बांधनी चाहिए कि इस तरह से इस क्वालिटी का ही कपड़ा आप बना सकते हैं, उसके अलावा दूसरा नहीं बना सकते हैं ताकि हथकर्षा वालों को अधिक प्रोत्साहन मिले।

श्री राम सेवक : माननीय सभापति जी, डिबेट में जिन माननीय सदस्यों ने भाग लिया है उनकी सरकार अभारी है।...

17-14 hrs.

Re. COMMUNAL RIOTS IN VARANASI

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : सभापति

जी, मेरे एक सवमिशन है। अभी हमें सूचना मिली है टेलीप्रिन्टर के द्वारा कि बनारस में एक सीरियस कम्युनल रायट हुआ है।... (व्यवधान) मैंने तो जनसंघ का नाम भी नहीं लिया। तो उसमें काफी लोग मरे हैं। इसलिए मैं यह निवेदन करना चाहता हूँ कि गृह मंत्री इसके बारे में कोई अपना बयान दें कि वहाँ की सिचुएशन कैसी है। पार्लिमेन्ट्री अफेयर्स मिजिस्टर यहाँ पर मौजूद हैं, मैं आपके द्वारा उनसे निवेदन करूँगा कि 6 बजे के पहले आज इस सदन में गृह मंत्री का वक्तव्य होना चाहिए क्योंकि जिस तरह से वहाँ दंगा हुआ है उसमें ला एन्ड आर्डर की कोई सिचुएशन नहीं रह गई है।... (व्यवधान)...

श्री शिव नारायण (वस्ती) ला एन्ड आर्डर की सिचुएशन तो वहाँ पर क्रिएट की गई है। डा० गापाल रेड्डी ने आगरे में जो बयान दिया है, आप उसको भी तो कहिये। आगरे में उन्होंने क्या कहा है? You are trying to topple down the Government. We know what you are doing. You send your people this way and that way. These people are creating this situation there. They are doing all this.

श्री हुक्म चन्द कछवाय (उज्जैन) : संसद कार्य मंत्री यहाँ पर हैं आप उनसे कहिए कि कि बनारस में जो कुछ हुआ है उसके बारे में गृह मंत्री जी यहाँ पर बयान दें।

DR. RAM SUBHAG SINGH (Buxar) : We read yesterday in the newspapers the statement of the Governor that he could intervene only when the law and order situation broke down and today this Varanasi news has come. Let us know how the communal riot broke out.

श्री हुक्मचन्द कछवाय : संसद कार्य मंत्री यहाँ पर बैठे हैं, आप उनसे कहिए।

SHRI S. M. BANERJEE : This news is very depressing.

मैंने कोई ऐसी बात नहीं कही जो शिव नारायण जी को बुरी लगे। मैंने यही कहा है कि वहाँ पर कम्युनल रायट्स हुए हैं। यह किस

की जिम्मेदारी में, मैं नहीं जानता। लेकिन वह इतना सीरियस है जिससे मुझे खतरा है कि वह फैल न जाये।... (व्यवधान)...

SHRI SEZHIYAN (Kumbakonam) : The news is very alarming that there has been communal strife in Banaras. Tomorrow at 4 O'Clock we are going to have a discussion on the communal situation. But before that we would like to have a full statement on whatever material is available to Government. If it is given to the House before 6 O'Clock today, it will be good but if it is not possible, tomorrow morning at least we should be provided with a full statement of fact so that we can also take that into consideration when we speak during the discussion tomorrow at 4 O'Clock.

श्री हुक्म चन्द कछवाय : इस सरकार के द्वारा झगड़े करवाये जा रहे हैं। यह हमारा इस सरकार पर आरोप है। अगर ऐसा नहीं है तो उसकी सफाई की जाये।

SHRI MANUBHAI PATEL (Dobhai) : Sir, while speaking on the law and order situation on the 26th, I said that the Prime Minister was trying to topple down the stable Governments in the states and that she was trying to create instability in the stable State Governments. That was a categorical thing that I stated on the 26th while speaking on the law and order situation in the country.

The same thing is being purposely allowed to be done in order to see that if the State Governments and the Congress there do not toe their line, they are harassed and they are toppled down and the instability is created there. This is the attitude of the Government which creates not only law and order situation but it is encouraging communal riots also. (Interruptions).

श्री हुक्म चन्द कछवाय : यह बात सही है इसका सरकार को जवाब देना चाहिये।

श्री बेणी शंकर शर्मा : (बांका) हम यह जानना चाहते हैं कि दंगा बनारस में किस तरह से शुरू हुआ और क्यों हुआ और पहल किसने की।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, AND SHIPPING AND

TRANSPORT : (SHRI RAGHU RAMAIAH) : I am sorry that certain irresponsible statements are being made by responsible Members that the Government is responsible for riots and so on. I must protest against it.....(*Interruptions*) There is nothing of that sort.

श्री हुकम चन्द कछवाय : सही बात है, वहाँ की सरकार को गिराने के लिये दंगे कराये जा रहे हैं ।

SHRI MANUBHAI PATEL : I only quoted what I spoke on the 26th. The statement made by the Parliamentary Affairs Minister is quite irresponsible.

SOME HON. MEMBERS *rose*.

MR. CHAIRMAN : This is not a debate. I will not allow any thing more.

SHRIMATI SHARDA MUKERJEE (Ratnagiri) : Sir, only this morning, when there was a Call Attention notice about the Chief Minister of West Bengal, these very Members raised a hue and cry...

SHRI S. M. BANERJEE : That was about the Chief Minister's hunger-strike. This is about the communal riots.

SHRIMATI SHARDA MUKERJEE : That is arising out of the break-down of the law and order situation there. Now, these very Members are saying all these things.....(*Interruptions*).

श्री स० मो० बनर्जी : वह भूख हड़ताल थी और यह कम्युनल रायट है। यह मैं श्रीमती शारदा मुखर्जी को बताना चाहता हूँ ।

SHRI SHRI CHAND GOYAL (Chandigarh) : On a point of order, Sir. Actually, it was after lunch that I read the entire teleprinter news which had been displayed outside the Parliament Library. The situation that has developed in Varanasi is rather serious. The position is that Section 144 has been imposed in the entire city for a period of one full month. Curfew has also been imposed. My Information is that some people, some miscreants, threw some stones on a temple. All these things are being manoeuvred and, I think,

are being done with a political objective, with a political motive.....

MR. CHAIRMAN : Order, order ; there is no point of order. This is another way of making a speech. I don't allow.

SHRI SHRI CHAND GOYAL : Now that the matter has been raised, the House has to take notice of it. It is a serious matter. We want the Home Minister or the Minister of Parliamentary Affairs to ascertain facts and to make a statement so that the entire House is taken into confidence of what is happening there. The developments that are taking place are not of ordinary nature but are of a very serious nature.

MR. CHAIRMAN : What is your point of order ? There is no point of order.

श्री हुकम चन्द कछवाय : सरकार कहती है कि हमें कुछ नहीं मालूम है तो क्या यह सरकार वैसे ही यहाँ बैठी हुई है ?

SHRI S. M. BANERJEE : On a point of personal explanation, Sir.

MR. CHAIRMEN : Please sit down. Your proposal is that what has come in the teleprinter should be discussed immediately before 6 O'Clock. It is not possible. It is impossible for any member to get the news. Tomorrow we are discussing the communal situation. These things which you have brought will also be included in what the Government have to say.

SHRI S. M. BANERJEE : On a point of personal explanation, Sir. Hon. Member, Shrimati Sharda Mukerjee, said that when the House was discussing this morning the hunger strike by the Chief Minister of West Bengal, I protested saying that it is a matter of law and order and it is a State subject and it cannot be discussed here. Sir, there is a difference between the hunger strike by the Chief Minister for three days only—three days hunger strike is no hunger strike because three is no hunger strike for three days and communal riots. She must realise that. (*Interruptions*)

SHRI MANUBHAI PATEL : You are not Sharda Mukerjee.

SHRI S. M. BANERJEE : I am not and I do not want. With your white strip of half you can become Indira Gandhi.

MR. CHAIRMAN : As I said it will be discussed tomorrow.

SHRI SHEO NARAIN : We will send him to the medical college.

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI RAM SEWAK) : A request has been made by Mr. Sezhlyan that I may reply tomorrow in detail. If you like I will reply tomorrow.

MR. CHAIRMAN : He may reply now.

— — —

17.22 hrs.

CENTRAL SILK BOARD
(AMENDMENT) BILL—contd.

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री राम सेवक) : सभापति जी, माननीय सदस्यों ने बहुत से सजेन्स रखें। बहुत से सदस्यों ने कुछ सिल्क बॉर्ड की कमियां बताई, कुछ नये सजेन्स रखें, लेकिन मैं सदन के सामने यह बात रखना चाहता हूँ कि यह बिल ऐसा बिल है कि जो बड़ा कन्ट्रोवर्शियल बिल नहीं है। सिर्फ एक घारा इस में जो दी गई है एमेंडमेंट के लिए वह यह है कि इस को काश्मीर राज्य में लागू किया जाए और दूसरी यह है कि जो बेलेंस सीट है, उस का आडिट कम्पट्रोलर, एण्ड आडिटर जनरल द्वारा किया जाय और रिपोर्ट इस में पेश की जाये। दूसरी चीज यह है कि जो रूल्स बनें वे भी हाउस में रखें जाएं।

कुछ माननीय सदस्यों ने कुछ नये प्वाइन्ट्स उठाये हैं, उन के बारे में मैं कहना चाहूंगा। जहां तक भारत में सिल्क उद्योग का प्रश्न है, भारत संसार में चौथे दर्जे पर आता है। सब से पहला दर्जा जापान का है और फिर दूसरे दूसरे देशों का है। इस हिसाब से हम यह देखते हैं कि हमारे देश में यह उद्योग पुराने

जमाने से चला आ रहा है और बराबर तरक्की के रास्ते पर जा रहा है। जहां तक हमारे देश में सिल्क पैदावार का प्रश्न है, मैं यह कहना चाहता हूँ कि सन् 1966 में देश में 20.47 लाख किलोग्राम सिल्क पैदा हुआ, सन् 1967 में 22.30 लाख किलोग्राम और सन् 1968 में 23.21 लाख किलो सिल्क देश में पैदा हुआ।

श्री स० मो० बनर्जी : वह सब कहाँ गया ?

श्री राम सेवक : कुछ की देश में खपत हो गई और—कुछ बाहर चला गया और एक्सपोर्ट हो गया।

श्री शिव नारायण : कुछ रसा चला गया ?

श्री राम सेवक : रसा भी गया है, सभी जगह गया है, सारे संसार में गया है।

कुछ माननीय सदस्यों ने इस इंडस्ट्री में जो एम्प्लायमेंट है भिन्न भिन्न स्टेट्स में, उस के बारे में कहा। मैं यह कहना चाहता हूँ कि एम्प्लायमेंट पाजीशन जो देश में सिल्क इंडस्ट्री की है, वह यह है :—

	आदमी
आन्ध्र प्रदेश	10 हजार
आसाम	9.72 लाख
बिहार	1.25 लाख
हिमाचल प्रदेश	5 हजार
जम्मू काश्मीर	2.50 लाख
मध्य प्रदेश	48 हजार
तामिलनाडू	68 हजार
मैसूर	13 लाख
मनीपुर	8 लाख
उड़ीसा	1.14 लाख
वेस्ट बंगाल	1.56 लाख

इस तरह से कुल 32 लाख व्यक्ति इस एम्प्लायमेंट में लगे हुए हैं। ज्यादातर गरीब इसमें काम करते हैं, लेकिन उनकी पैदावार